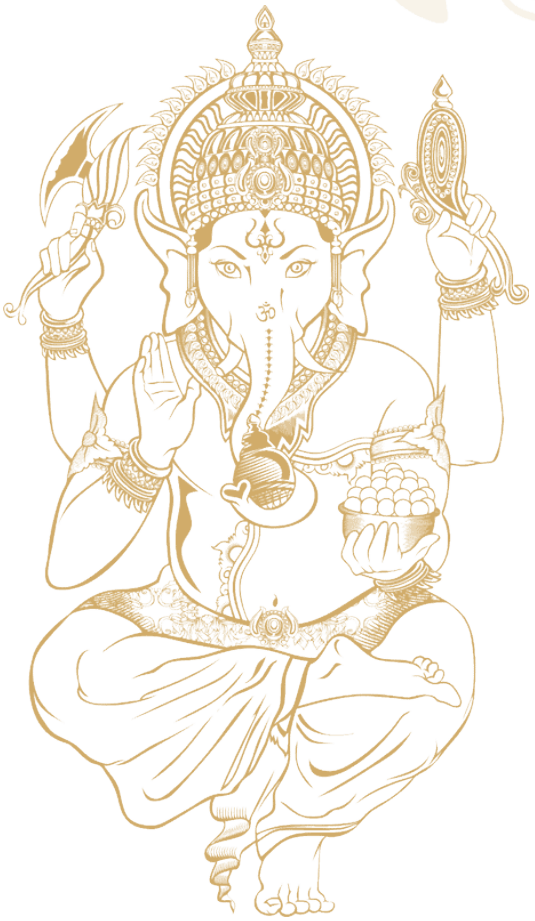

Virat rai kapur

Shreya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121786438

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/08/1995	जन्म तिथि	01/07/1999
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 16:00:00	जन्म समय	08:25:00 घंटे
घटी 25:29:13	जन्म समय(घटी)	07:25:48 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:18	सूर्योदय	05:26:40
19:03:40	सूर्यास्त	19:22:54
23:47:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:48

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 2वर्ष 11मा 1दि		07:30:45	धनु	लग्न	कर्क	22:23:03	चन्द्र 9वर्ष 11मा 11दि	
शनि		25:27:38	कर्क	सूर्य	मिथु	15:01:01	राहु	
14/07/2014		17:50:14	कुंभ	चंद्र	मक	10:04:14	11/06/2016	
13/07/2033		19:35:14	कन्या	मंगल	तुला	04:52:53	11/06/2034	
शनि	16/07/2017	10:31:12	सिंह	बुध	कर्क	10:26:07	राहु	22/02/2019
बुध	26/03/2020	11:52:37	वृश्चि	गुरु	मेष	06:34:46	गुरु	18/07/2021
केतु	04/05/2021	23:06:07	कर्क	शुक्र	कर्क	28:38:17	शनि	24/05/2024
शुक्र	04/07/2024	29:51:34	कुंभ व	शनि	मेष	20:23:05	बुध	11/12/2026
सूर्य	16/06/2025	05:10:27	तुला व	राहु व	कर्क	19:21:15	केतु	29/12/2027
चन्द्र	15/01/2027	05:10:27	मेष व	केतु व	मक	19:21:15	शुक्र	29/12/2030
मंगल	24/02/2028	03:51:16	मक व	हर्ष व	मक	22:19:50	सूर्य	23/11/2031
राहु	31/12/2030	29:41:03	धनु व	नेप व	मक	09:47:13	चन्द्र	24/05/2033
गुरु	13/07/2033	04:01:19	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:29:19	मंगल	11/06/2034

लग्न-चलित

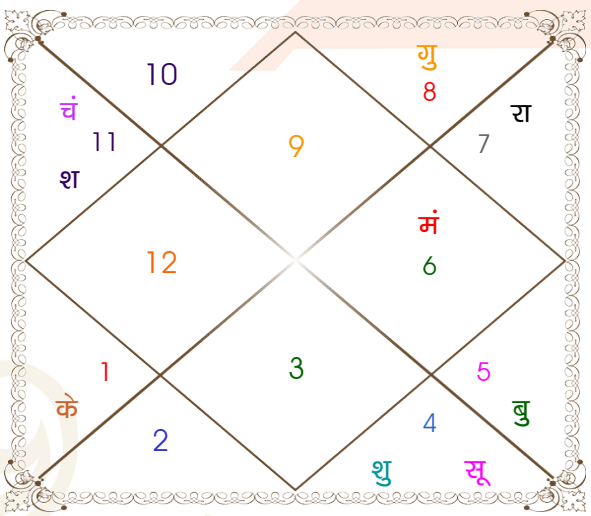

लग्न-चलित

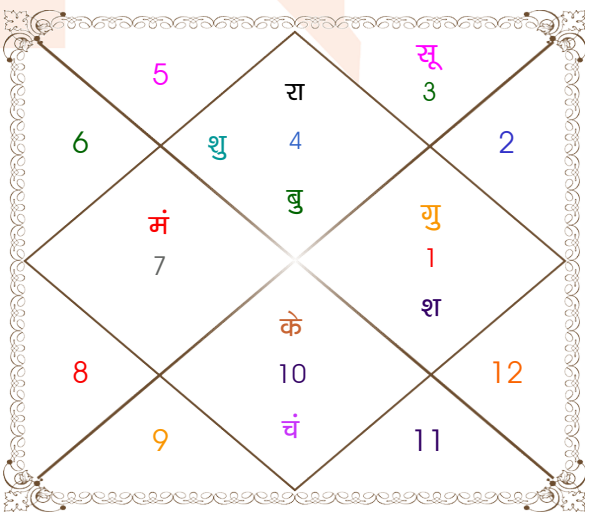

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Virat rai kapur का वर्ग मेष है तथा ौतमलं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Virat rai kapur और ौतमलं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Virat rai kapur मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ौतमलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Virat rai kapur कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Virat rai kapur तथा ौतमलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।